करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

(संग्रह)

मई

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम..... 3
- 28 वीं राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप..... 4
- मध्य प्रदेश में बैंकों का विलय 5
- विष्णु श्रीधर वाकणकर जयंती..... 6
- उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में आग..... 8
- एसएमएएम की कस्टम हायरिंग योजना..... 9
- 'AI भारत @ MP' कार्यशाला.....10
- मालवा उत्सव.....12
- भारत का पहला भिखारी मुक्त शहर 13
- मध्य प्रदेश में सिंचाई परियोजनाएँ.....14
- एशिया पेसिफिक स्प्रिंट कप 2025 16
- जागेश्वरनाथ धाम कॉरीडोर 16
- ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना 17
- मध्य प्रदेश में हरित शहरों का विकास.....18
- क्षय रोग उन्मूलन शिविर एवं स्वस्थ यकृत मिशन.....20
- मध्य प्रदेश ने प्रमुख विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया.....21
- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सरपंच की वित्तीय शक्तियाँ वापस लेने का निर्णय बरकरार रखा 22

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मध्य प्रदेश

फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश **पहला राज्य** बन गया है जिसने **AI आधारित रियल-टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम** को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया है।

मुख्य बिंदु

- **फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम के बारे में:**
  - यह **Google Earth Engine**, **AI मॉडल** और **मल्टी-टेंपोरल सैटेलाइट डाटा** पर आधारित प्रणाली है।
  - मध्य प्रदेश ने यह तकनीक **संवेदनशील वन प्रभागों जैसे शिवपुरी, गुना, विदिशा, बुरहानपुर और खंडवा** जिलों में पायलट आधार पर लागू की है। भविष्य में इसे **राज्य स्तर पर** विस्तार देने की योजना है।
  - यह प्रणाली **वन अतिक्रमण**, **भूमि उपयोग परिवर्तन और वन क्षरण** की समय पर पहचान कर **सक्रिय वन प्रबंधन** को संभव बनाएगी।

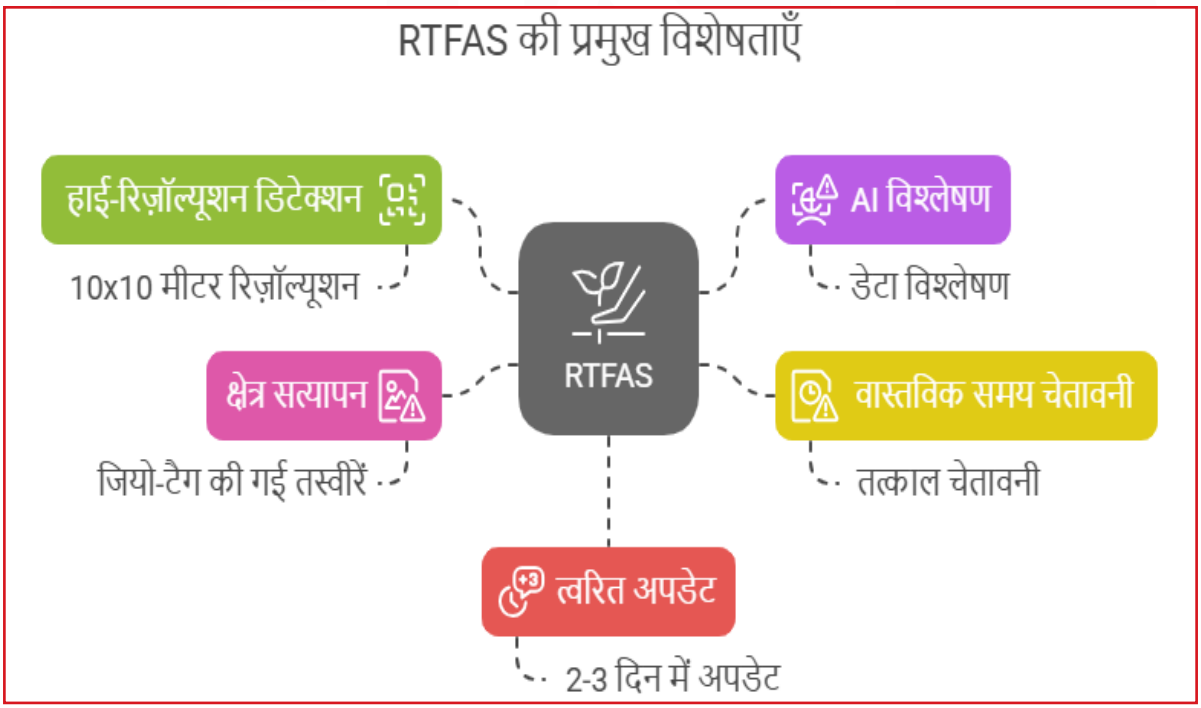

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **विशेषताएँ**
  - Google Earth Engine से प्राप्त **तीन अलग-अलग तिथियों के उपग्रह चित्रों** का विश्लेषण किया जाएगा।
  - बदलावों की पहचान के लिये **सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक (NDVI), मृदा समायोजित वनस्पति सूचकांक (SAVI), संवर्द्धित वनस्पति सूचकांक (EVI), सिंथेटिक अपर्चर रडार (SAR)** जैसे इंडेक्स का उपयोग किया जाएगा।
  - **AI मॉडल** द्वारा भूमि में हुए उल्लेखनीय बदलावों (जैसे फसल, निर्माण, कटाई) को चिह्नित कर **पॉलीगॉन अलर्ट** के रूप में दर्ज किया जाएगा।
  - ऐप में **GPS टैग की गई फोटो, वॉयस नोट्स, टिप्पणियाँ, जियोफेंसिंग, दूरी मापन** जैसी सुविधाएँ होंगी।
  - डैशबोर्ड पर **तारीख, घनत्व और क्षेत्रफल** जैसे फ़िल्टर भी उपलब्ध होंगे, जिससे विशिष्ट जानकारी प्राप्त करना संभव होगा।
  - फील्ड कर्मचारी ऐप के माध्यम से **तस्वीरें, GPS लोकेशन और वॉइस रिकॉर्डिंग** अपलोड कर सकते हैं।

सतत् वन प्रबंधन के लिये भारत की पहलें

- **सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम:**
  - **ग्रीन इंडिया मिशन (GIM):** इसके अंतर्गत **वर्ष 2017** से **वर्ष 2021** की अवधि में वन क्षेत्र में **0.56% की वृद्धि** हुई।
  - **राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति (2014):** इसके तहत प्राकृतिक वनों पर दबाव कम करने के लिये **निजी कृषि भूमि पर वृक्षारोपण** को प्रोत्साहित करना शामिल है।
  - **भारत में वनों के बाहर वृक्ष कार्यक्रम:** इसके तहत हरित आवरण को बढ़ावा देने के लिये निजी हितधारकों को शामिल करके **गैर-वन भूमि पर वृक्षारोपण** को प्रोत्साहित करना शामिल है।
  - **प्रतिपूरक वनरोपण निधि (CAMPA):** यह निधि उन स्थानों पर पुन: वनरोपण के लिये दी जाती है जहाँ वनों को **औद्योगिक उपयोग** के लिये उपयोग में लाया जाता है।
- **कॉर्पोरेट एवं सामुदायिक प्रयास:**
  - **CSR-संचालित वृक्षारोपण:** इसके तहत **ऑटोमोबाइल, सीमेंट और ऊर्जा क्षेत्र** की कंपनियाँ वृक्षारोपण करती हैं ।
  - **आजीविका के लिये कृषि वानिकी:** किसान अतिरिक्त आय के लिये **फसलों के साथ इमारती लकड़ी, फल और औषधीय पौधों** को भी शामिल करते हैं।
- **कार्बन क्रेडिट रणनीतियाँ: उद्योग, कार्बन क्रेडिट** अर्जित करने के लिये वनरोपण में निवेश करते हैं।
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता इसकी युक्तिसंगत कार्रवाई करने की क्षमता है जिसमें एक विशिष्ट लक्ष्य प्राप्त किया जाता है। **मशीन लर्निंग (ML)**, AI का ही एक प्रकार है।

28 वीं राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश ने 28वीं **राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप** में **तीन स्वर्ण पदक** जीते।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह भारत की प्रमुख घरेलू एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन **भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI)** द्वारा हर वर्ष किया जाता है।
- यह प्रतियोगिता ट्रैक एवं फील्ड इवेंट्स में देश के **शीर्ष एथलीटों को एक साझा मंच** प्रदान करती है और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिये **चयन का आधार** भी बनती है।
- इसका 28वाँ संस्करण **21 से 24 अप्रैल 2025 तक केरल के कोच्चि** में आयोजित किया गया।
- इस इवेंट में **38 मेडल स्पर्द्धाएँ** आयोजित की गईं।

महत्त्व

- यह **मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय एथलेटिक्स मानचित्र पर स्थापित** करने में सहायक सिद्ध होगा।
- खिलाड़ियों की यह उपलब्धि **युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणा** बनेगी।

प्रतियोगिता	एथलीट	उपलब्धि
शॉट पुट	समरजीत सिंह	स्वर्ण पदक
पोल वॉल्ट	देव मीणा	स्वर्ण पदक
3000 मीटर स्टीपलचेज़ (महिला)	मंजू यादव	स्वर्ण पदक

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI)

- **परिचय: AFI की स्थापना, 1946** में भारत में एथलेटिक्स के लिये एक **गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी, स्वायत्त** शीर्ष निकाय के रूप में की गई थी।
  - यह **विश्व एथलेटिक्स, एशियाई एथलेटिक्स एसोसिएशन (AAA)** और भारतीय **ओलंपिक संघ से संबद्ध** है।
- **उद्देश्य: एथलेटिक्स को लोकप्रिय** बनाना, एथलीटों के प्रदर्शन में सुधार लाना और खेल को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाना।
- **संरचना:** AFI में 32 संबद्ध राज्य और संस्थागत इकाइयाँ शामिल हैं।
- **कार्य:** यह अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिये टीमों का चयन करता है, राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेज़बानी करता है तथा एथलेटिक्स को आगे बढ़ाने के लिये प्रतियोगिताओं का उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यह कोचिंग कार्यक्रमों, प्रतिभा-विकास शिविरों और जमीनी स्तर पर विकास पर ज़ोर देता है।

मध्य प्रदेश में बैंकों का विलय

चर्चा में क्यों ?

ग्रामीण बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 1 मई 2025 से वन स्टेट-वन RRB नीति लागू की।

मुख्य बिंदु

- **वन स्टेट-वन RRB नीति के बारे में:**
  - **इस नीति** के तहत देश में **43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों** (RRBs) की संख्या घटकर 28 रह जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- अब प्रत्येक राज्य में केवल एक RRB होगा, जो पूरे राज्य के ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करेगा।

- **उद्देश्य**
  - ग्रामीण बैंकिंग सेवा की **प्रभावशीलता** और **व्यवस्थापन** में सुधार करना।
  - ग्राहकों को **एकीकृत सेवाएँ** और **बेहतर पहुँच देना**।
  - संचालन लागत में **कमी** और **व्यवसाय में वृद्धि** करना।
  - **वित्तीय समावेशन** को गति देना।
- **एकीकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**
  - पहले चरण (2006-2010) में **RRB की संख्या 196 से घटकर 82** कर दी गई थी।
  - दूसरे चरण (2013-2015) में **82 से 56** और तीसरे चरण में **56 से घटकर 43** कर दी गई थी।
  - अब चौथे चरण में कुल **28 RRB** रह जाएंगे।
- **मध्य प्रदेश में बैंकों का विलय**
  - इस निति के तहत **1 मई 2025 से मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक** और **मध्यांचल ग्रामीण बैंक** का **विलय** कर दिया गया है।
  - अब ये दोनों मिलकर **एकल ग्रामीण बैंक** के रूप में कार्य करेंगे, जिसका **स्पॉन्सर बैंक** 'बैंक ऑफ इंडिया' होगा।
  - इसका मुख्यालय **इंदौर** में स्थित होगा।
  - यह कदम ग्रामीण बैंकिंग ढाँचे को मज़बूत करने और कार्यप्रणाली को सरल बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRBs):

- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) की स्थापना 26 सितंबर, 1975 को प्रख्यापित अध्यादेश और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के तहत वर्ष 1975 में की गई थी।
- RRB वित्तीय संस्थान हैं, जो कृषि और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिये पर्याप्त ऋण सुनिश्चित करते हैं।
- RRB ग्रामीण समस्याओं से परिचित होने के साथ सहकारी विशेषताओं और वाणिज्यिक बैंक की व्यावसायिक एवं वित्तीय संसाधनों को जुटाने की क्षमता का विस्तार करतें हैं।
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का संचालन भारत सरकार, राज्य सरकारों और प्रायोजक बैंकों के सहयोग से किया जाता है।
- इन बैंकों में भारत सरकार, प्रायोजक बैंकों और संबंधित राज्यों की हिस्सेदारी क्रमशः 50%, 35% और 15% होती है।
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विनियमन 'राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक' (National Bank for Agriculture and Rural Development-NABARD) के द्वारा किया जाता है।

विष्णु श्रीधर वाकणकर जयंती

चर्चा में क्यों ?

4 मई 2025 को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर की जयंती के अवसर पर उज्जैन में आयोजित व्याख्यान-माला में उनके योगदानों को स्मरण किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के बारे में:**
  - **वे** भारत के एक महान **पुरातत्त्वविद्, चित्रकार, इतिहासकार और सांस्कृतिक शोधकर्त्ता** थे, उनका जन्म **4 मई 1919** को **नीमच, मध्य प्रदेश** में हुआ था।
- **योगदान**
  - डॉ. वाकणकर ने वर्ष **1957 में भोपाल के पास स्थित भीमबेटका गुफाओं के प्राचीन शिलाचित्रों की खोज** की, जो मानव सभ्यता के आदिकालीन साक्ष्य हैं।
  - उन्होंने **गुजरात क्षेत्र में लुप्त सरस्वती नदी** के प्रवाह की दिशा का अन्वेषण कर यह सिद्ध किया कि यह **भारतवर्ष में ही बहती थी**, जिससे सैंधव सरस्वती सभ्यता को नया प्रमाण मिला।
  - उनके शोध ने **आर्य-द्रविड़ आक्रमण सिंद्धांत** को चुनौती दी और यह बताया कि **भारतीय सभ्यता की निरंतरता भारतभूमि पर ही विकसित हुई**।
  - उन्होंने भारत के विभिन्न भागों में **हज़ारों शैलाश्रयों की खोज** की तथा उनका **चित्रांकन, विश्लेषण और प्रदर्शन** देश-विदेश में किया।
  - उन्होंने महेश्वर, **नवादा टोली**, मनोटी, आवारा, इंद्रगढ़, कायथा, मंदसौर, आजादनगर, डांगवाड़ा आदि क्षेत्रों में खुदाई की।
  - उन्होंने **सम्राट विक्रमादित्य के शासन काल की सील (मुद्रांक)** प्राप्त कर विक्रम संवत की ऐतिहासिकता सिद्ध की।
  - उन्होंने उज्जैन में वाकणकर इंडोलॉजिकल कल्चरल रिसर्च ट्रस्ट की भी स्थापना की।
- **सम्मान**
  - भारत सरकार ने उनके योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें **1975 में पद्मश्री** से सम्मानित किया।
  - **मध्य प्रदेश सरकार** ने उनके सम्मान में आठवें टाइगर रिज़र्व (रातापानी टाइगर रिज़र्व) का नाम **डॉ. वाकणकर टाइगर रिज़र्व** रखा है।
  - **उज्जैन स्थित डॉ. वाकणकर शोध संस्थान** उनके कार्यों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिये सक्रिय है।

भीमबेटका

- **अवस्थित:** यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला **में भोपाल के दक्षिण में स्थित है**, जहाँ 500 से अधिक शैलचित्रों वाले शैलाश्रय स्थित हैं।
  - भीमबेटका की गुफाओं की खोज वर्ष **1957-58 में वी. एस. वाकणकर** ने की थी।
  - इसे वर्ष 2003 में **यूनेस्को** विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
- **समयावधि:** अनुमान है कि **सबसे पुरानी चित्रकारी 30,000 वर्ष पुरानी हैं** तथा गुफाओं के अंदर स्थित होने के कारण आज भी सुरक्षित हैं।
  - भीमबेटका की चित्रकारी **उच्च पुरापाषाण, मध्यपाषाण, ताम्रपाषाण, प्रारंभिक ऐतिहासिक और मध्यकालीन काल** की है।
  - हालाँकि अधिकांश चित्र मध्यपाषाण युग के हैं।
- **चित्रकारी तकनीक:** इसमें प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त विभिन्न रंगों जैसे लाल गेरू, बैंगनी, भूरा, सफेद, पीला और हरा आदि का उपयोग किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **चित्रों की विषय-वस्तु:** प्रागैतिहासिक पुरुषों के रोज़मर्रा के जीवन को अक्सर छड़ी जैसी मानव आकृतियों में दर्शाया गया है।
  - हाथी, बाइसन, हिरण, मोर और साँप जैसे विभिन्न जानवरों को दर्शाया गया है।
  - शस्त्रधारी पुरुषों के साथ शिकार के दृश्य और युद्ध के दृश्य।
  - सरल ज्यामितीय डिज़ाइन और प्रतीक।

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में आग

चर्चा में क्यों ?

5 मई 2025 को मध्य प्रदेश के उज्जैन ज़िले में महाकालेश्वर मंदिर परिसर के महाकाल लोक कॉरिडोर में आग लग गई।

मुख्य बिंदु

- **महाकालेश्वर मंदिर:**
- **धार्मिक महत्त्व:**
  - महाकालेश्वर मंदिर **भगवान शिव** को समर्पित है और इसका हिंदू धर्म में अत्यधिक धार्मिक महत्त्व है।
  - यह **बारह** ज्योतिर्लिंगों **(शिव के** सर्वाधिक निवास) में से एक है।
  - महाकालेश्वर की मूर्ति अद्वितीय है क्योंकि यह अन्य ज्योतिर्लिंगों के विपरीत **दक्षिण मुखी** है।
- **अवस्थिति:**
  - यह मंदिर मध्य प्रदेश के प्राचीन शहर **उज्जैन** में स्थित है।
  - यह **रुद्रसागर झील के किनारे** स्थित है जिससे इसका आध्यात्मिक महत्त्व और भी बढ़ जाता है।
  - यह मंदिर परिसर पाँच मंजिलों में विस्तृत है और यहाँ अत्यधिक भीड़ उमड़ती है, विशेष रूप से महाशिवरात्रि के अवसर पर।
- **वास्तुकला विशेषताएँ:**
  - मंदिर में एक विशाल प्रांगण है जो जटिल मूर्तियों से सुसज्जित है।
  - इसका डिज़ाइन चालुक्य, मराठा **और भूमिजा स्थापत्य शैली** को दर्शाता है।
  - नींव और मंच पत्थर से बने हैं, जबकि ऊपरी संरचनाएँ मज़बूत स्तंभों और प्लास्टर पर टिकी हुई हैं।
  - **इसमें गर्भगृह में** महाकालेश्वर की लिंग मूर्तियाँ और गणेश (पश्चिम), पार्वती (उत्तर) और कार्तिकेय (पूर्व) की छवियाँ स्थापित हैं ।
  - **सर्वतोभद्र शैली** का एक तालाब भी मंदिर परिसर का हिस्सा है।

श्री महाकाल लोक कॉरिडोर

- **महाकाल महाराज मंदिर परिसर विस्तार योजना** उज्जैन ज़िले में महाकालेश्वर मंदिर तथा उसके आसपास के क्षेत्र के **विस्तार, सौंदर्यीकरण तथा भीड़भाड़** को कम करने से संबंधित योजना है।
- इस योजना के तहत करीब **2.82 हेक्टेयर के महाकालेश्वर मंदिर परिसर को बढ़ाकर 47 हेक्टेयर** किया जाना शामिल है, जिसे **उज्जैन ज़िला प्रशासन द्वारा दो चरणों** में विकसित किया जाना निर्धारित है।
  - इसमें **रुद्रसागर झील का 17 हेक्टेयर क्षेत्र** भी शामिल है।
- इस परियोजना से शहर में वार्षिक पर्यटकों की संख्या वर्तमान 1.50 करोड़ से बढ़कर लगभग तीन करोड़ हो जाने का अनुमान है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

एसएमएएम की कस्टम हायरिंग योजना

चर्चा में क्यों ?

कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन (SMAM) की **कस्टम हायरिंग योजना** मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को अत्याधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध करा रही है, जिससे उनकी **उत्पादकता और आय दोनों में वृद्धि** हो रही है।

मुख्य बिंदु:

- **कस्टम हायरिंग योजना के बारे में:**
  - यह योजना छोटे और सीमांत किसानों को **आधुनिक कृषि यंत्रों** के माध्यम से **आर्थिक रूप से सशक्त** बनाने और **स्वरोज़गार** के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।
  - यह केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत चल रही एक महत्त्वपूर्ण पहल है।
  - इसके अंतर्गत **कस्टम हायरिंग केंद्र (Custom Hiring Centers - CHCs)** की स्थापना की जाती है।
    - ये ऐसे केंद्र होते हैं जहाँ से किसान कृषि उपकरण जैसे ट्रैक्टर, हैरो, रोटावेटर, सीड ड्रिल, रीपर, थ्रेशर, ड्रायर, स्प्रेयर आदि को किराए पर ले सकते हैं।
    - CHC किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (FPO), सहकारी समितियों, ग्राम पंचायतों अथवा निजी उद्यमियों द्वारा संचालित किये जा सकते हैं।
  - योजना के तहत सरकार द्वारा अधिकतम **40 प्रतिशत तक की सब्सिडी** और **तीन प्रतिशत तक की ब्याज छूट** (*Interest Subvention*) दी जाती है।
- **लाभार्थी पात्रता:**
  - योजना के अंतर्गत **18 से 40 वर्ष** आयु के **12वीं पास बेरोज़गार किसान** आवेदन कर सकते हैं।
  - **लॉटरी प्रणाली** के माध्यम से चयन किया जाता है, और चयनित लाभार्थियों को **प्रशिक्षण** और फिर यंत्र खरीदने की अनुमति दी जाती है।
- **महत्त्व:**
  - यह योजना यांत्रिकीकरण की पहुँच को विकेंद्रीकृत करती है।
  - इससे **फसल कटाई की समयबद्धता**, **श्रम की कमी की समस्या का समाधान** और **कृषि कार्यों की दक्षता** में सुधार आता है।
  - युवाओं को कृषि सेवा व्यवसाय में भागीदारी का अवसर मिलता है, जिससे गाँवों में रोज़गार के अवसर भी बढ़ते हैं।

मशीनीकरण पर उप-मिशन (SMAM) योजना

- इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2014 में लॉन्च किया था।
  - इसके तहत NER (पूर्वोत्तर क्षेत्र) राज्यों के अलावा अन्य राज्यों हेतु 40-50% की सीमा तक विभिन्न प्रकार के कृषि उपकरण और मशीनरी की खरीद हेतु सब्सिडी प्रदान की जाती है और NER राज्यों के लिये यह प्रति लाभार्थी 1.25 लाख रुपए तक 100% सीमित है।
  - कृषि मंत्रालय ने एक बहुभाषी मोबाइल एप, 'सीएचसी (कस्टम हायरिंग सेंटर)- फार्म मशीनरी' भी विकसित किया है जो किसानों को उनके क्षेत्र में स्थित कस्टम हायरिंग सर्विस सेंटर से जोड़ता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **लक्ष्य:**
  - लघु और सीमांत किसानों तथा उन दुर्गम क्षेत्रों में जहाँ कृषि हेतु विद्युत की उपलब्धता कम है, कृषि मशीनीकरण की पहुँच बढ़ाना।
- **उद्देश्य:**
  - लघु और खंडित भूमि जोत तथा व्यक्तिगत स्वामित्व की उच्च लागत के कारण उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल अर्थव्यवस्थाओं को दूर करने के लिये 'कस्टम हायरिंग सेंटर' और 'हाई-वैल्यू मशीनों के हाई-टेक हब' को बढ़ावा देना।
  - प्रदर्शन और क्षमता निर्माण गतिविधियों के माध्यम से हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करना।
  - पूरे देश में स्थित नामित परीक्षण केंद्रों पर कृषि मशीनों का प्रदर्शन, परीक्षण और प्रमाणन सुनिश्चित करना।

किसान उत्पादक संगठन

- **परिचय:** FPO एक प्रकार का **उत्पादक संगठन (PO)** है जिसके सदस्य **किसान** होते हैं और इसका संवर्द्धन **लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (SFAC)** द्वारा समर्थित होता है।
  - **FPO वर्ष 2008** में अस्तित्व में आए, जो कि **कंपनी अधिनियम, 1956** में अर्थशास्त्री **वाई.के. अलघ** द्वारा किये गए संशोधन की अनुशंसा (2002) से प्रेरित थे।
  - FPO को **कंपनी अधिनियम, 2013, सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860**, अथवा **भारतीय न्यास अधिनियम, 1882** के तहत **लोक न्यास** के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
    - **उत्पादक संगठन,** उत्पादकों जैसे **कृषक, अकृषक वर्ग अथवा शिल्पकारों** द्वारा गठित समूह है, जो सदस्यों में **लाभ साझा** करते हुए उत्पादक कंपनियों अथवा **सहकारी समितियों** जैसे **विधिक रूप** ले सकता है।
- **उद्देश्य एवं आवश्यकता:** भारत के कृषि क्षेत्र में **लघु और सीमांत किसानों** का प्रभुत्व है (87% के पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है), जो **ऋतुनिष्ठ और बाज़ार जोखिमों** का सामना करते हैं, तथा उचित मूल्य प्राप्त करने के लिये संघर्ष करते हैं।
  - FPO लघु किसानों को **थोक इनपुट खरीद की सुविधा**, **बेहतर सौदाकारी की शक्ति**, तथा अल्प लागत पर **बेहतर मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित** करके सहायता करते हैं।
    - ये **आय को दोगुना** करने और **वैश्विक बाज़ारों** में प्रवेश करने के लक्ष्य में सहायता प्रदान करते हुए किसानों की **बाज़ार पहुँच** में भी सुधार करते हैं।

'AI भारत @ MP' कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के भोपाल में "**AI भारत @ एमपी**" शीर्षक से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **कार्यशाला के बारे में:**
  - इसका उद्देश्य **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधार तकनीक और डिजिटल नवाचारों** के माध्यम से शासन को अधिक **सक्षम, पारदर्शी** और **नागरिकोन्मुखी** बनाना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस कार्यशाला का आयोजन **मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (MPSEDC)** और **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD)** द्वारा **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के सहयोग से किया गया।
- कार्यशाला में तकनीकी सत्रों के अंतर्गत **डाटा प्रोटेक्शन**, साइबर सुरक्षा, **डिजिटल स्वास्थ्य** (ई-संजीवनी), DIKSHA प्लेटफॉर्म और **डिजिटल शिक्षा** जैसे विषयों पर चर्चा की गई।
- इस कार्यशाला ने मध्य प्रदेश को **डिजिटल प्रशासन** के एक मॉडल राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।

- **डिजिटल बुनियादी ढाँचे में मध्य प्रदेश की उपलब्धियाँ:**
  - **मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है** जहाँ **SD-WAN सक्षम स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (SWAN)** 2 Gbps की गति से संचालित हो रहा है।
  - राज्य के पास **1 पेटाबाइट क्षमता वाला स्वयं का डाटा सेंटर** उपलब्ध है, जो डिजिटल सेवाओं के सुरक्षित और त्वरित संचालन को सुनिश्चित करता है।
  - **'संपदा 2.0'** तथा **एंड-टू-एंड सेवा ऑटोमेशन** जैसे डिजिटल नवाचारों के माध्यम से राज्य **डिजिटल गवर्नेंस** में अग्रणी बना है।
- **नीति निर्माण व नवाचार:**
  - प्रदेश सरकार ने **AVGC (Animation, Visual Effects, Gaming & Comics)**, ड्रोन टेक्नोलॉजी, **ग्लोबल कैप्टिव सेंटर (GCC)** और **सेमीकंडक्टर निर्माण** जैसे क्षेत्रों के लिये **नीतियाँ और दिशा-निर्देश** जारी किये हैं।
  - इन प्रयासों से राज्य में **उद्योग, निवेश और रोज़गार** के नए अवसर सृजित होने के संभावना है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

- AI को **मशीनों** और प्रणालियों का **ज्ञान प्राप्त करने, इसे लागू करने** और **बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार करने की क्षमता** के रूप में परिभाषित किया गया है।
- "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" शब्द का सर्वप्रथम उपयोग अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और संज्ञानात्मक वैज्ञानिक जॉन मैककार्थी ने किया था। उन्हें AI का जनक माना जाता है।
  - इसमें **मशीन लर्निंग**, **डीप लर्निंग**, **बिग डेटा**, **न्यूरल नेटवर्क**, **कंप्यूटर विज़न**, **लार्ज लैंग्वेज मॉडल** आदि तकनीकें शामिल हैं।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता ऐसे कार्य करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने की क्षमता है जिनमें किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे अच्छी संभावना होती है।

ई-संजीवनी:

- **ई-संजीवनी देश के डॉक्टरों के मध्य टेलीमेडिसिन सेवा है,** जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारंपरिक प्रत्यक्षत: परामर्श का विकल्प प्रदान करती है।
- ई-संजीवनी **आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य मिशन** का महत्त्वपूर्ण अंग है और ई-संजीवनी एप्लिकेशन के **माध्यम से 45,000 से अधिक आभा संख्या जारी की गई हैं।**
- इसका उपयोग करने वाले दस अग्रणी राज्य हैं: **आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, तेलंगाना और गुजरात।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मालवा उत्सव

चर्चा में क्यों ?

6 से 12 मई 2025 तक **इंदौर** के **लालबाग परिसर** में आयोजित **मालवा उत्सव** में **मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री** सम्मिलित हुए।

मुख्य बिंदु

- **मालवा उत्सव के बारे में:**

  - दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव था, जिसका संचालन लोक संस्कृति मंच द्वारा किया गया था।
  - यह उत्सव पिछले **25 वर्षों** से नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - **लोक संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण और प्रचार-प्रसार।**
  - **स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को मंच और बाज़ार** उपलब्ध कराना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।

- **लोककलाओं और हस्तशिल्प की प्रदर्शनी:**
  - इस उत्सव में देश के विभिन्न प्रदेशों तथा **मध्य प्रदेश** के अलग-अलग क्षेत्रों से आए **लोक कलाकारों** ने लोकनृत्य और संगीत प्रस्तुत किये।
  - **बुनकरों** और **हस्तशिल्प कलाकारों** ने **बुनकरी, मिट्टी और धातु की कलाकृतियाँ** प्रदर्शित कीं।
  - उत्सव में **भित्तिचित्र**, **रेजा कार्य**, **बटिक प्रिंट**, **ताँबे व पीतल की मूर्तियाँ** तथा **आदिवासी चित्रकला** विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

मध्य प्रदेश के लोक नृत्य

- **काठी:** यह बलाई समाज द्वारा किया जाने वाला नृत्य है, जिसमें मोर पंख से सजे वस्त्रों और बाँस की 'काठी' का प्रयोग होता है। यह नृत्य 'ढाक' वाद्य पर किया जाता है।
- **गणगौर:** चैत्र माह में महिलाएँ देवी पार्वती की पूजा करते हुए ताली और थाली पर नृत्य करती हैं। इसके दो रूप – थलरिया और थोला प्रसिद्ध हैं।
- **फाफरिया:** यह पुरुषों और महिलाओं द्वारा साथ में किया जाने वाला पुंगी की ध्वनि पर आधारित समूह नृत्य है।
- **मदाल्या:** इसमें महिलाएँ ढोल की थाप पर हाथ-पाँव की मुद्राओं के साथ तीव्र गति से नृत्य करती हैं।
- **आदा-खड़ा:** यह नृत्य विवाह, जन्म व मृत्यु जैसे अवसरों पर स्त्रियों द्वारा ढोल की थाप पर किया जाता है।
- **डंडा नृत्य:** यह चैत्र-वैशाख की रातों में पुरुषों द्वारा डंडे के साथ ढोल व थाली की ताल पर किया जाता है।
- **मटकी:** महिलाएँ सिर पर कई मटकियाँ संतुलित कर गोलाकार घुमते हुए ढोल की थाप पर नृत्य करती हैं। आड़ा-खड़ा इसका एक रूप है।
- **राई:** बेड़िया जनजाति द्वारा किया जाने वाला यह नृत्य श्रृंगार व सामाजिक विषयों पर आधारित संवादात्मक रूप में होता है। राम सहाय पाण्डेय इसके प्रमुख कलाकार हैं।
- **सायरा:** वर्षा के लिये भगवान इंद्र की प्रार्थना स्वरूप यह नृत्य लाठी लिये युवाओं द्वारा ढोलक व बाँसुरी के साथ किया जाता है।
- **जवारा:** महिलाएँ सिर पर फसल की टोकरी रखकर संतुलन बनाते हुए यह नृत्य करती हैं, जो फसलों की महत्ता को दर्शाता है।

भारत का पहला भिखारी मुक्त शहर

चर्चा में क्यों ?

इंदौर देश का पहला भिक्षावृत्ति-मुक्त शहर बन गया है, जहाँ **प्रशासन** ने भिक्षुओं का पुनर्वास कर उन्हें रोज़गार के अवसर प्रदान किये हैं और भिक्षावृत्ति में लगे बच्चों को स्कूलों में दाखिल कराया है।

मुख्य बिंदु

- **बहु-चरणीय अभियान रणनीति:**
  - फरवरी 2024 में, शहर में **महिला एवं बाल विकास विभाग** के तहत भिक्षावृत्ति विरोधी अभियान **शुरू किया गया।**
  - उस समय, अधिकारियों ने इंदौर की सड़कों पर रहने वाले 500 बच्चों सहित लगभग 5,000 भिखारियों की पहचान की थी।
  - यह अभियान दो प्रमुख चरणों में चलाया गया:

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **चरण 1:** जनता को सूचित करने और हितधारकों को शामिल करने के लिये जागरूकता अभियान।
- **चरण 2:** रोज़गार सहायता और बच्चों के स्कूल नामांकन के माध्यम से भिखारियों का पुनर्वास।
- पाया गया कि कई भिखारी राजस्थान से पलायन कर आए हैं, जिससे **शहरी भिक्षावृत्ति के अंतर्राज्यीय आयाम उजागर होते हैं।**

- **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता:**
  - इस पहल को **केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** द्वारा **एक आदर्श परियोजना के रूप में मान्यता दी गई है।**
    - शहरी क्षेत्रों में भीख मांगने की समस्या को खत्म करने के लिये पायलट परियोजना के लिये चयनित 10 शहरों में इंदौर भी शामिल है।
  - **विश्व बैंक की** एक **टीम ने** भी अभियान के प्रभाव को स्वीकार किया है।

भिक्षावृत्ति से संबंधित कानूनी प्रावधान

- **औपनिवेशिक कानून: वर्ष 1871** के आपराधिक जनजाति अधिनियम ने खानाबदोश जनजातियों को अपराधी घोषित कर दिया **तथा उन्हें भिक्षावृत्ति से** जोड़ दिया।
- **वर्तमान विधिक ढाँचा: भारतीय संविधान** के अनुसार **संघ** और **राज्य सरकारों** दोनों को **समवर्ती सूची (सूची III, प्रविष्टि 15)** के तहत **आहिंडन अथवा वैग्रेंसी (भिक्षावृत्ति सहित), घुमंतू** और **प्रवासी जनजातियों** पर विधि का निर्माण करने की अनुमति है।
  - **भिक्षावृत्ति से संबंधित कोई केंद्रीय विधि नहीं** है। इसके स्थान पर, कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने **बॉम्बे भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम, 1959** को आधार बनाकर विधि का निर्माण किया है।
    - इस अधिनियम में **भिक्षुक** को न केवल भिक्षा माँगने वाले व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है, बल्कि इसके अंतर्गत ऐसी व्यक्ति भी शामिल हैं जो **सड़कों पर प्रदर्शन करते हैं, जीविकोपार्जन हेतु वस्तुओं का विक्रय करते हैं** अथवा निर्वाह के प्रत्यक्ष साधन के आभाव में निराश्रित होते हैं।
    - **आहिंडन में भिक्षा माँगना भी शामिल** है और अधिनियम के अनुसार इन गतिविधियों में शामिल व्यक्तियाँ **सामाजिक उपद्रवी** होते हैं।
- **विधिशास्त्र: दिल्ली उच्च न्यायालय** ने वर्ष 2018 में निर्णय सुनाया कि **बॉम्बे अधिनियम की प्रवृत्ति मनमाना** है और यह सम्मान से जीने के अधिकार का उल्लंघन है और निर्धनता को अपराध घोषित किये बिना इसका समाधान किये जाने के महत्त्व पर ज़ोर दिया।
  - **भारत के सर्वोच्च न्यायालय** ने वर्ष 2021 में सार्वजनिक स्थानों से भिक्षुकों को प्रतिबंधित किये जाने की मांग वाले एक **लोकहित मुकदमे** को खारिज़ कर दिया और निर्णय सुनाया कि **भिक्षावृत्ति एक आपराधिक मुद्दा** नहीं अपितु **सामाजिक-आर्थिक समस्या** है।
- **SMILE: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** द्वारा वर्ष 2022 में शुरू की गई **आजीविका और उद्यम हेतु हाशिए पर स्थित व्यक्तियों की सहायता (SMILE)** योजना का उद्देश्य वर्ष **2026 तक "भिक्षावृत्ति मुक्त" भारत** की दिशा में कार्य करते हुए चिकित्सा देखभाल, शिक्षा तथा कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर **भिक्षुकों का पुनर्वास** करना है।
  - वर्ष 2024 तक, SMILE के तहत 970 व्यक्तियों का पुनर्वास किया गया, जिनमें बालकों की संख्या 352 थी।

मध्य प्रदेश में सिंचाई परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने **सीतापुर-हनुमना उदवहन सिंचाई परियोजना**, **बाणसागर परियोजना** तथा अन्य लंबित योजनाओं की प्रगति का अवलोकन करते हुए, इनके निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **सीतापुर-हनुमना उदवहन सिंचाई परियोजना के बारे में:**
  - यह परियोजना **मऊगंज, सीधी और सिंगरौली** ज़िलों की सिंचाई व्यवस्था को **सुदृढ़** बनाने में सहायक है।
  - इस परियोजना से कुल **653 गाँवों** में **1 लाख 20 हज़ार हेक्टेयर** कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा से जोड़ा जाएगा।
  - इस परियोजना के लिये राज्य शासन द्वारा **4,167 करोड़ रुपए** की **प्रशासकीय स्वीकृति** दी जा चुकी है।
- **निर्माण स्थल और पर्यावरणीय चुनौती**
  - इस परियोजना में प्रस्तावित बाँध **सीधी ज़िले के अमिलिया क्षेत्र** में **सोन नदी** पर बनाया जाना है।
  - यह क्षेत्र **सोन घड़ियाल अभयारण्य** के अंतर्गत आता है, जिससे **पर्यावरणीय और वन्यजीव स्वीकृति** अनिवार्य हो जाती है।
  - पर्यावरणीय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए **घड़ियाल संरक्षण** पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा गया।
- **बाणसागर बाँध की स्थिति और कार्य**
  - **बाणसागर बाँध** मध्य प्रदेश के **रीवा ज़िले** में **सोन नदी** पर स्थित है।
  - यह एक **बहुउद्देश्यीय परियोजना** है, जिसका उद्देश्य सिंचाई, जल विद्युत उत्पादन और जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है।
  - अधिकारियों को 18 किमी. **बेला माइनर नहर** के निर्माण, छुहिया घाटी में सुरंग लाइनिंग, जलसेतु विकास और नहर लाइनिंग के काम में तेज़ी लाने के निर्देश दिये गए हैं।
    - **बेला माइनर नहर**, बाणसागर परियोजना की एक सहायक नहर है।
    - इस नहर की **कुल लंबाई 51 किमी.** है, जिसमें से अभी तक केवल **21 किमी.** का कार्य पूर्ण हुआ है।
- **लाभ**
  - बाँध और नहर परियोजना के पूरा होने पर **रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली ज़िलों** के लाखों हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी।
  - इस परियोजना से लाखों किसानों को **स्थायी सिंचाई सुविधा** मिलेगी जिससे **फसल विविधीकरण**, **उत्पादकता में वृद्धि**, और **आय में सुधार** होगा।

सोन घड़ियाल अभयारण्य

- यह मध्य प्रदेश के **सोन नदी** क्षेत्र में स्थित एक महत्त्वपूर्ण अभयारण्य है, जो 1981 में घड़ियाल के संरक्षण और उनकी संख्या में वृद्धि के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
- इस अभयारण्य के तहत सोन नदी का **161 किमी**, **23 किमी** बनास नदी और **26 किमी** गोपद नदी का क्षेत्र मिलाकर कुल **210 किमी** क्षेत्र को संरक्षित किया गया है।
- यह अभयारण्य **प्रोजेक्ट क्रोकोडाइल** के अंतर्गत आता है, अभयारण्य का प्रमुख आकर्षण **रेतीले पर्यावास** हैं, इनमें प्रमुख रूप से घड़ियाल, **भारतीय नर्म खोल कछुआ (Chitra Indica)** और **भारतीय स्किमर** (Rynchops albicollis) शामिल हैं। ये क्षेत्र विभिन्न संकटग्रस्त प्रजातियों को संरक्षण प्रदान करते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

एशिया पेसिफिक स्प्रिंट कप 2025

चर्चा में क्यों ?

एशिया पेसिफिक स्प्रिंट कप 2025 में **मध्य प्रदेश के प्रिंस गोस्वामी** ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रिंस गोस्वामी का प्रदर्शन:**

  - प्रिंस गोस्वामी, **मध्य प्रदेश राज्य कयाकिंग-केनोइंग अकादमी** से जुड़े खिलाड़ी हैं।
  - उन्होंने **सी-1 श्रेणी की 1000 मीटर पुरुष स्पर्द्धा** में पहला स्थान प्राप्त किया।
- **:प्रतियोगिता का आयोजन स्थल:**
  - यह प्रतियोगिता **9 से 11 मई, 2025** तक **जापान के इशिकावा ज़िले** के **कोमात्सु स्थित किबा झील** में आयोजित की गई।
  - यह जलक्रीड़ा की कयाकिंग-केनोइंग श्रेणी में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है।

जागेश्वरनाथ धाम कॉरीडोर

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दमोह ज़िले स्थित **देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर** की **कॉरिडोर परियोजना** का शिलान्यास किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **कॉरिडोर निर्माण के बारे में:**
  - यह कॉरिडोर देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर को एक **राष्ट्रीय स्तर के** धार्मिक पर्यटन स्थल में परिवर्तित करेगा।
  - इस कॉरिडोर निर्माण की कुल प्रस्तावित लागत **100 करोड़ रुपए** है। प्रथम चरण में **10 करोड़ रुपए** की लागत से निर्माण कार्य आरम्भ किया गया है।
  - प्रस्तावित कॉरिडोर में **संस्कृत विद्यालय** तथा 12 ज्योतिर्लिंगों **की प्रतिकृतियाँ** शामिल होंगी। यह मंदिर को एक **आध्यात्मिक-सांस्कृतिक परिसर** का रूप देगा।
  - इस कॉरिडोर के निर्माण से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दमोह ज़िला एवं संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान सशक्त होगी। साथ ही वाणिज्य एवं सेवाओं से जुड़े **स्थानीय लोगों को रोज़गार** के अवसर प्राप्त होंगे।
- **जागेश्वरनाथ मंदिर**
  - जागेश्वरनाथ धाम मध्य प्रदेश के **दमोह ज़िले** के **बांदकपुर** गाँव में स्थित है।
  - मंदिर का निर्माण **दीवान बालाजी राव चंदोरकर** ने वर्ष 1711 में करवाया था।
  - इस मंदिर में स्थित **शिवलिंग** को **स्वयंभू** माना जाता है, जो अनादि काल से यहाँ विराजमान है।
  - यह शिवलिंग **चमत्कारी** और श्रद्धालुओं के लिये विशेष आस्था का केंद्र है।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश और **महाराष्ट्र ने** ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना **को** संयुक्त रूप से कार्यान्वित करने के लिये एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।**

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - यह विश्व की सबसे बड़ी भूजल पुनर्भरण (Groundwater Recharge) **योजना** है, जिसका उद्देश्य **मध्य प्रदेश** और **महाराष्ट्र** राज्यों में सिंचाई हेतु नदी जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करना है।
  - इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र संयुक्त रूप से मुलताई, मध्य प्रदेश से निकलने वाली ताप्ती नदी की तीन उपधाराओं का विकास किया जाएगा।
  - यह केन-बेतवा लिंक परियोजना (मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश) और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना (मध्य प्रदेश और राजस्थान) के बाद मध्य प्रदेश से जुड़ी **तीसरी प्रमुख अंतर-राज्यीय नदी परियोजना है।**
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **जल आवंटन:** इस परियोजना के अंतर्गत ताप्ती नदी से **पूर्वोत्तर महाराष्ट्र** में पेयजल आपूर्ति तथा **दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश** में सिंचाई सहायता हेतु जल स्थानांतरित कर आपूर्ति की जाएगी।
- उपयोग हेतु कुल जल **31.13 हज़ार मिलियन क्यूबिक फीट (TMC) है**, जिसमें से **11.76 TMC मध्य प्रदेश को** और **19.36 TMC महाराष्ट्र के लिये आवंटित है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस परियोजना में मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र सीमा पर **एक डायवर्जन वियर का निर्माण तथा दोनों राज्यों में दाएँ और बाएँ किनारे की नहरों का विकास शामिल है।**
- इस **परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश की 3,362 हेक्टेयर भूमि का उपयोग किया जाएगा,** जिसके लिये किसी विस्थापन या पुनर्वास की आवश्यकता नहीं होगी।
  - **लाभार्थी ज़िले:** यह परियोजना **मध्य प्रदेश के बुरहानपुर और खंडवा तथा महाराष्ट्र के अकोला, अमरावती और बुलढाणा ज़िलों को कवर करती है,** जो पारंपरिक रूप से **भूजल संकट** और **अनियमित वर्षा** की समस्या से ग्रस्त रहे हैं।

तापी/ताप्ती नदी:

- पश्चिम की ओर बहने वाली एक अन्य महत्त्वपूर्ण नदी मध्य प्रदेश के बैतूल ज़िले के सतपुड़ा पर्वतमाला से निकलती है।
- यह नर्मदा के समानांतर एक भ्रंश घाटी में बहती है लेकिन इसकी लंबाई बहुत कम है।
- इसका बेसिन मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों को कवर करता है।
- ताप्ती नदी की तीन **प्रमुख सहायक** नदियाँ- **पूर्णा, गिरना और पंजरा**- महाराष्ट्र राज्य में दक्षिण से बहती हैं।
- **उकाई बाँध:** तापी नदी पर स्थित एक प्रमुख जलविद्युत परियोजना, जो आसपास के क्षेत्रों को पानी और बिजली प्रदान करती है।

मध्य प्रदेश में हरित शहरों का विकास

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के प्रमुख **ऐतिहासिक, धार्मिक और** पर्यटन शहरों को **"ग्रीन सिटी"** के रूप में विकसित करने हेतु योजना शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे मे:**
  - यह योजना नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत लाई गई है।
  - **नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, राज्य शासन** और संबंधित नगर निकाय इसके क्रियान्वयन के लिये ज़िम्मेदार होंगे।
  - योजना का उद्देश्य अगले दो वर्षों में **मध्य प्रदेश के 10 प्रमुख शहरों को** पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा के लिये मॉडल ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करना है।
  - **महेश्वर, चंदेरी, मांडू, ओरछा, अमरकंटक, भीमबेटका, ओंकारेश्वर और चित्रकूट** जैसे ऐतिहासिक व धार्मिक शहर योजना में शामिल होंगे।
  - सरकार ने इस पहल की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में साँची और खजुराहो से की है।
- **हरित ऊर्जा का उपयोग**
  - इन शहरों में 75% बिजली की आपूर्ति सौर एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से की जाएगी।
  - धार्मिक स्थलों, स्कूलों, आंगनवाड़ियों, स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी संस्थानों में पूरी तरह हरित ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - सभी स्ट्रीट लाइट्स सोलर से संचालित होंगी।
  - हॉकर्स और वेंडर्स को सोलर लैंटर्न उपलब्ध कराए जाएंगे।
  - बड़े उपभोक्ताओं (6 किलोवाट से अधिक) को सौर ऊर्जा अपनाने के लिये प्रोत्साहन और सहायता।
  - बहुमंज़िला इमारतों में सोलर रूफटॉप अनिवार्य होगा।
  - इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलेगा और उनके चार्जिंग स्टेशनों में **50% ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से** ली जाएगी।
  - बायोगैस प्लांट और सामुदायिक सौर खेती को बढ़ावा।
- **महत्त्व**
  - इस योजना से **प्रदूषण में कमी** आएगी और हरित ऊर्जा **के इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन घटेगा**।
  - नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग से राज्य की **ऊर्जा सुरक्षा** मज़बूत होगी।
  - ये **स्थल स्वच्छ और ऊर्जा कुशल बनेंगे**, जिससे **पर्यटकों का आकर्षण बढ़ेगा।**
  - यह योजना मध्य प्रदेश के सतत विकास **व स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को मज़बूत** करेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा

- यह ऐसी ऊर्जा है, जो प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर करती है। इसमें सौर ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा, पवन, ज्वार, जल और बायोमास के विभिन्न प्रकारों को शामिल किया जाता है।
- उल्लेखनीय है कि यह कभी भी समाप्त नहीं हो सकती है और इसे लगातार नवीनीकृत किया जाता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों (जो कि दुनिया के काफी सीमित क्षेत्र में मौजूद हैं) की अपेक्षा काफी विस्तृत भू-भाग में फैले हुए हैं और ये सभी देशों को काफी आसानी हो उपलब्ध हो सकते हैं।
- ये न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं बल्कि इनके साथ कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी जुड़े होते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन (EVs):

- **परिचय:** इलेक्ट्रिक वाहन ऐसे वाहन हैं जो पेट्रोल या डीजल से चलने वाले **पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन (ICE)** के बजाय प्रणोदन के लिये एक या एक से अधिक इलेक्ट्रिक मोटरों का उपयोग करते हैं।
  - यद्यपि इलेक्ट्रिक वाहनों की अवधारणा लंबे समय से चली आ रही है, ईंधन आधारित वाहनों के **बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और अन्य पर्यावरणीय प्रभावों के कारण पिछले दशक में इसमें व्यापक रूप से रुचि** बढ़ी है।
- **प्रकार:**
  - **बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEVs):** ये प्रणोदन के लिये पूरी तरह बैटरी शक्ति पर निर्भर होते हैं तथा शून्य टेलपाइप उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं।
  - **प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV):** इनमें इलेक्ट्रिक मोटर के साथ ही गैसोलीन इंजन मौजूद होता है। इन्हें बाह्य रूप से चार्ज किया जा सकता है और सीमित दूरी तक बैटरी पावर पर चलाया जा सकता है, जबकि लंबी यात्राओं के लिये गैसोलीन इंजन का उपयोग किया जा सकता है।
  - हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEVs): इनमें इलेक्ट्रिक मोटर और गैसोलीन इंजन दोनों का उपयोग होता है, लेकिन बैटरी को सीधे प्लग-इन कर चार्ज नहीं किया जा सकता।
    - बैटरी को गैसोलीन इंजन या पुनर्योजी ब्रेकिंग (regenerative braking) के माध्यम से चार्ज किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

क्षय रोग उन्मूलन शिविर एवं स्वस्थ यकृत मिशन

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के राज्यपाल ने 100 **दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान** के हितधारकों को सम्मानित किया और भोपाल में **राज्यव्यापी स्वस्थ यकृत मिशन का शुभारंभ किया।**

मुख्य बिंदु

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान

- **राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम** के अंतर्गत, राज्य ने टीबी के मामलों की पहचान करने, समय पर उपचार सुनिश्चित करने और रोग के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के **लिये विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये।**
  - **इस अभियान ने नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग, गैर सरकारी संगठनों**, जन प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के संयुक्त प्रयासों से परीक्षण और परामर्श प्राप्त करने में सक्षम बनाया।
- इस अभियान के तहत **5,000 से अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है।**
  - **सिवनी और बैतूल ज़िलों ने** लगातार तीन वर्षों तक सबसे अधिक संख्या में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतें घोषित की हैं।
  - **कन्हार (मंडला), पटवा (बालाघाट)** और **सावरवानी (छिंदवाड़ा)** ने **टीबी-मुक्त** दर्जा प्राप्त कर लिया है।
- राज्य सरकार **इस पहल के तहत 100% कवरेज के लिये प्रयासरत है,** जिसका लक्ष्य वर्ष **2028 तक राज्य से टीबी को पूरी तरह समाप्त करना है।**

स्वस्थ यकृत मिशन

- इस पहल का **उद्देश्य यकृत से संबंधित बीमारियों से निपटना है।**
  - फैटी लीवर रोग की रोकथाम में भारत विश्व में अग्रणी है तथा **मध्य प्रदेश** देश में **शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य** बनकर उभरा है।
- मिशन के अंतर्गत **हेपेटाइटिस बी और सी, फैटी लीवर और सिरोसिस जैसी स्थितियों के बारे में जागरूकता, शीघ्र पहचान, उपचार और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।**
- इसके अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग पूरे राज्य में जाँच शिविर आयोजित करेगा, चिकित्सा प्रशिक्षण और परामर्श देगा तथा **निःशुल्क दवाइयाँ वितरित करेगा।**

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP)

- वर्ष 2020 में, **संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP)** का नाम बदलकर NTEP कर दिया गया,जिसका उद्देश्य भारत से **टीबी (TB)** को वर्ष **2025 तक समाप्त करना** है, जो कि वैश्विक लक्ष्य 2030 से **पाँच वर्ष पहले** है।
- यह कार्यक्रम **राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-2025)** द्वारा निर्देशित है, जो निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों पर आधारित है: **पता लगाना (Detect) - उपचार करना (Treat) - रोकथाम करना (Prevent) - निर्माण करना (Build)**, जिसे **DTPB** कहा जाता है।
- NTEP मुख्य रूप से शीघ्र निदान, गुणवत्तापूर्ण उपचार, निजी प्रदाताओं को शामिल करने, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में संपर्क का पता लगाने तथा बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण के माध्यम से सामाजिक निर्धारकों को संबोधित करने पर ज़ोर देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस कार्यक्रम में **अब तक के सर्वाधिक मामले दर्ज किये गए, जिसमें वर्ष 2023 में 25.5 लाख टीबी मामले और वर्ष 2024 में 26.07 लाख मामले दर्ज किये गए।**
- NTEP के तहत, भारत ने **बेहतर दवा प्रतिरोधी टीबी उपचार शुरू किये, जिसमें सुरक्षित,** कम समय तक चलने वाला पूर्ण-मौखिक बेडाक्विलाइन उपचार शामिल है, जिससे सफलता दर वर्ष 2020 में 68% से बढ़कर वर्ष2022 में 75% हो गई।
  - mBPaL उपचार (बेडाक्विलाइन, प्रीटोमैनिड, लाइनज़ोलिड) MDR-TB के लिये 80% सफलता प्रदान करता है, जिससे उपचार की अवधि छह महीने तक कम हो जाती है।

फैटी लिवर रोग

- **फैटी लिवर रोग (हेपेटिक स्टीएटोसिस) यकृत कोशिकाओं में अत्यधिक वसा के जमा** होने की स्थिति है।
  - यह स्थिति तब होती है, जब **वसा यकृत कोशिकाओं (हेपाटोसाइट्स) के 5% से अधिक** हो जाती है, जिससे यकृत की कार्यप्रणाली और चयापचय प्रभावित होते हैं।
- यह दो प्रकार का होता है — **नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिज़ीज़ (NAFLD)** और **एल्कोहलिक फैटी लिवर डिज़ीज़ (AFLD**

मध्य प्रदेश ने प्रमुख विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों ?

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में, मध्य प्रदेश ने बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं के लिये रोज़गार सृजित करने के लिये प्रमुख पहलों की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **कैबिनेट के प्रमुख निर्णय:**
- देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना:
  - **इसका उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोज़गार से** जोड़ना है।
  - कौशल-आधारित ऋण पर प्रति व्यक्ति 10,000 रुपए तक की ब्याज सब्सिडी प्रदान करता है।
  - वार्षिक सरकारी आवंटन 100 करोड़ रुपए होगा।
- **मध्य प्रदेश महानगर क्षेत्र योजना एवं विकास अधिनियम, 2025:**
  - 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिये **महानगर योजना समितियों और विकास प्राधिकरणों** के गठन को सक्षम बनाता है।
  - लक्षित क्षेत्र इंदौर, भोपाल, उज्जैन और देवास जैसे शहरों में **शहरी नियोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक विकास** होंगे।
- **एकात्म धाम परियोजना के अंतर्गत आचार्य शंकर संग्रहालय:**
  - 2,195 करोड़ रुपए का संशोधित बजट स्वीकृत किया गया।
  - **ओंकारेश्वर में** स्थित यह संग्रहालय **अद्वैत वेदांत** पर केंद्रित होगा तथा इसका उद्देश्य शिक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- **औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं के छात्रावास:**
  - 249 करोड़ रुपए के बजट से **4 औद्योगिक क्षेत्रों में 26 छात्रावासों के निर्माण** को मंजूरी दी गई।
  - इसमें फूड कोर्ट, मनोरंजन क्षेत्र और चाइल्डकेयर क्षेत्र जैसी सुविधाएँ शामिल होंगी, जिससे महिला श्रमिकों के लिये सुरक्षित और सक्षम स्थान का निर्माण होगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **MYR अस्पताल और श्याम शाह मेडिकल कॉलेज का उन्नयन:**
  - **महाराजा यशवंत राव अस्पताल (इंदौर) एवं श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय (रीवा) के उन्नयन** हेतु 1,095 करोड़ रुपए की स्वीकृति।
  - इसमें नए अस्पताल ब्लॉक, नर्सिंग छात्रावास और बेहतर चिकित्सा बुनियादी ढाँचे का निर्माण शामिल है।
- **राहवीर योजना:**
  - **दुर्घटना पीड़ितों को "स्वर्णिम घंटे"** के भीतर परिवहन करने वाले दर्शकों को प्रोत्साहित किया जाता है।
  - जीवन रक्षक कार्य के लिये इनाम राशि 5,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए कर दी गई।
- **मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता मिशन का विस्तार:**
  - इस योजना को 227 करोड़ रुपए के बजट के साथ वर्ष 2028-29 तक बढ़ाया गया।
  - सफाई कर्मचारियों के लिये कीचड़ हटाने वाले वाहनों, सीवर सफाई उपकरणों और सुरक्षात्मक गियर की खरीद के माध्यम से शहरी स्वच्छता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना।

अहिल्याबाई होल्कर

- **जन्म और पृष्ठभूमि:** अहिल्याबाई का जन्म **31 मई 1725** को **चोंडी, अहमदनगर (महाराष्ट्र)** में हुआ था। उनके पिता, **मानकोजी राव शिंदे**, गाँव के मुखिया थे।
- **विवाह और प्रारंभिक जीवन:** उनका विवाह वर्ष **1733** में **खांडेराव होलकर** से हुआ था, जो **मल्हार राव होलकर** के पुत्र थे। मल्हार राव होलकर **मालवा के शासक** और **होलकर वंश के संस्थापक** थे।
  - **वर्ष 1745 में कुम्हेर किले की घेराबंदी** में खांडेराव की मृत्यु के बाद अहिल्याबाई विधवा हो गईं।
  - मल्हार राव होल्कर ने अहिल्याबाई को सती होने से रोका और **उन्हें सैन्य एवं प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया।**
- **सत्ता पर आरोहण:** वर्ष 1766 में **मल्हार राव होलकर** और वर्ष 1767 में उनके पुत्र **मालेराव होलकर** की मृत्यु के बाद, **अहिल्याबाई होलकर** ने **मालवा की बागडोर संभाली** और वर्ष **1767 में इंदौर की शासिका** बनीं।
  - उन्होंने **तुकोजी राव होल्कर** को सेनापति नियुक्त किया और **मध्य प्रदेश में महेश्वर को होल्कर राजवंश** की राजधानी बनाया।
- **सामाजिक और आर्थिक योगदान:** अहिल्याबाई होलकर ने **सोमनाथ** और **काशी विश्वनाथ मंदिरों** का पुनर्निर्माण कराया, जिससे **भगवान शिव के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों** की पुनर्स्थापना हुई। उन्होंने **खुशाली राम, मराठी कवि मोरोपंत** और **शाहीर अनंतफंदी** जैसे विद्वानों को संरक्षण दिया।
  - उन्होंने **महिला शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया** और सती प्रथा जैसी प्रथाओं का विरोध किया, साथ ही भील, गोंड जनजातियों तथा निम्न जातियों का उत्थान किया।
  - उन्होंने महेश्वर और इंदौर को प्रमुख व्यापार केंद्र बनाया, माहेश्वरी बुनाई उद्योग को बढ़ावा दिया और माहेश्वरी साड़ियों को पूरे भारत में प्रसिद्ध बनाया तथा अब इसे **भौगोलिक संकेतक (GI) टैग** के साथ पंजीकृत किया गया है।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सरपंच की वित्तीय शक्तियाँ वापस लेने का निर्णय बरकरार रखा

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोप में ग्राम पंचायत के **सरपंच की वित्तीय शक्तियाँ वापस लेने के ज़िला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के निर्णय को बरकरार रखा है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह कार्रवाई सरपंच के खिलाफ रिश्वत मांगने के आरोप में लोकायुक्त द्वारा मामला दर्ज किये जाने के बाद की गई।

मुख्य बिंदु

- **मामले से संबंधित तर्क:**
  - सरपंच **ने आदेश को चुनौती देते हुए** कहा कि CEO ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य किया है, क्योंकि कोई विशिष्ट प्रावधान केवल आपराधिक मामला दर्ज होने पर वित्तीय शक्तियों को वापस लेने की अनुमति नहीं देता है।
- **उच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - **उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश पंचायत (CEO की शक्तियाँ एवं कार्य) नियम, 1985 का** संदर्भ दिया।
  - न्यायालय ने कहा कि **CEO के पास पंचायतों पर पर्यवेक्षण और नियंत्रण की शक्तियाँ हैं,** जिसमें आवंटित धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करना भी शामिल है।
  - **भ्रष्टाचार के** आरोपों पर पंचायत प्रतिनिधि की वित्तीय शक्तियाँ **वापस लेना** CEO के अधिकार क्षेत्र में आता है।
  - परिणामस्वरूप, उच्च न्यायालय ने सरपंच द्वारा दायर **याचिका खारिज कर दी।**
- **कानूनी एवं प्रशासनिक निहितार्थ:**
  - **पंचायत प्रशासन में CEO की भूमिका:** इस निर्णय में ज़िला पंचायत के CEO की शक्तियों की सीमा को स्पष्ट किया गया है तथा पंचायत गतिविधियों पर पर्यवेक्षी भूमिका और सार्वजनिक धन की सुरक्षा पर प्रकाश डाला गया है।
  - **भ्रष्टाचार के विरुद्ध जाँच:** यह निर्णय आपराधिक मामलों में अंतिम निर्णय से पहले ही समय पर हस्तक्षेप की अनुमति देकर ज़मीनी स्तर पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रशासनिक जाँच **को सशक्त करता है।**
  - **उचित प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच संतुलन:** जब तक आपराधिक मामला लंबित है, प्रशासनिक प्राधिकारियों को धन के दुरुपयोग से बचने के लिये निवारक उपाय **करने का अधिकार है,** जो कानूनी उचित प्रक्रिया और शासन जवाबदेही के बीच संतुलन को दर्शाता है।

पंचायती राज संस्थाओं (PRI) का शासन

- स्थानीय शासन राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है तथा पंचायती राज संस्थाएँ संबंधित राज्य पंचायती राज अधिनियमों के अनुसार कार्य करती हैं।
- 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) ने त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली की स्थापना की और महिलाओं के लिये 1/3 आरक्षण अनिवार्य किया, जिसे बाद में 21 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में बढ़ाकर 50% कर दिया गया।
  - **अनुच्छेद 243D** पंचायती राज संस्थाओं में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण का प्रावधान करता है।
  - संविधान का अनुच्छेद 40, **जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत है,** राज्य को ग्राम पंचायतों की स्थापना करने तथा उन्हें स्वशासी इकाइयों के रूप में कार्य करने के लिये **आवश्यक शक्तियाँ और प्राधिकार प्रदान करने का अधिकार देता है।**
- अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत **विस्तार (** पेसा) अधिनियम, 1996, अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभाओं को प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन और जनजातीय संस्कृति और आजीविका की रक्षा के लिये विशेष शक्तियाँ प्रदान करता है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME